भारत और मालदीव संबंधों का विकास आपसी हितों, पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित

विदेश मंत्री जयशंकर ने मालदीव के समकक्ष मूसा जमीर से की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष मूसा ज़मीर के साथ बातचीत में कहा कि दोनों देशों के रिश्तों का विकास 'आपसी हित' और पारस्परिक संवेदनशीलता' पर आधारित है। छह महीने पहले मालदीव में चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद पहली उच्च स्तरीय यात्रा के तहत ज़मीर दिल्ली आए हैं।

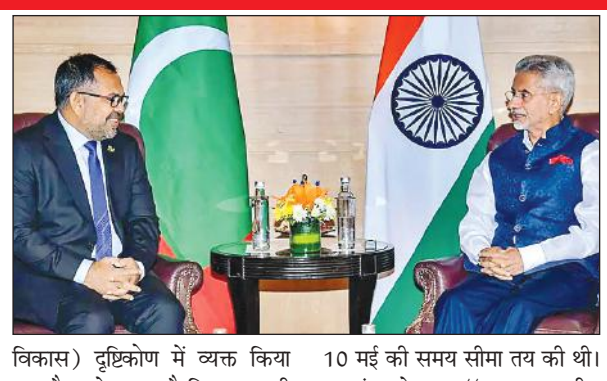

ज़मीर के साथ अपनी बातचीत शुरू करते हुए जयशंकर ने कहा, ÷करीबी और निकटतम पड़ोसी होने के नाते हमारे संबंधों का विकास स्पष्ट रूप से आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि जहां तक भारत का सवाल है तो ये हमारी पड़ोस प्रथम नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) दृष्टिकोण में व्यक्त किया गया है। मुझे आशा है कि आज की हमारी बैठक में हम विभिन्न क्षेत्रों में हमारे दृष्टिकोणों को मजबूत कर पाएंगे। मुइज्जू द्वीपीय राष्ट्र से भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी पर जोर दे रहे हैं जिससे दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। भारत ने पहले ही अपने अधिकतर सैन्यकर्मियों को वापस बुला चुका है। मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्य टुकड़ियों की वापसी के लिए 10 मई की समय सीमा तय की थी। जयशंकर ने कहा, '' भारत मालदीव को विकास सहायता देने वाले देशों में प्रमुख है। हमारी परियोजनाओं से आपके देश के लोगों को लाभ हुआ है; (हमने) जीवन की गुणवत्ता में योगदान दिया है। इनमें बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और सामाजिक पहल से लेकर चिकित्सा निकासी और स्वास्थ्य केंद्र तक शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमने पहले भी अनुकूल शर्तों पर वित्तीय सहायता दी है। भारत कई अवसरों पर मालदीव के लिए सबसे पहले आगे बढ़कर मदद देने वालों में रहा है। जयशंकर ने कहा, ÷ हमारे सहयोग ने साझा गतिविधियों, उपकरण, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के माध्यम से आपके देश की सुरक्षा और कल्याण को भी मजबूत किया है।

भारत ने बांग्लादेश की तीस्ता जलाशय परियोजना में सहयोग की पेशकश की: विदेश मंत्री महमूद

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारत ने बांग्लादेश में सीमा पार तीस्ता नदी पर एक जलाशय के निर्माण के लिए सहयोग देने की पेशकश की है। बांग्लादेश के दौरे पर आए विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने प्रधानमंत्री शेख हसीना और हसन से मुलाकात की, जिसके बाद बांग्लादेशी मंत्री ने यह जानकारी दी। तीस्ता जल का बंटवारा भारत और बांग्लादेश के बीच एक विवादास्पद मुद्दा है और मुख्य रूप से इसी कारण बांग्लादेश ने जलाशय के निर्माण की पहल की और चीन ने इस परियोजना का समर्थन करने की तुरंत इच्छा जताई। क्वात्रा बुधवार शाम ढाका पहुंचे। महमूद ने क्वात्रा से मिलने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''आप जानते हैं कि हमने तीस्ता से जुड़ी एक बड़ी परियोजना शुरू की है। भारत उसका वित्त-पोषण करना चाहता है। हमने कहा कि परियोजना हमारी जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए, इसे हमारी जरूरतों को पूरा करना होगा।' बहरहाल, मंत्री ने भारत के प्रस्ताव के बारे में विस्तार से नहीं बताया। बांग्लादेश ने कुछ महीने पहले कहा था कि वह भारत से बांग्लादेश में प्रवेश करने वाली तीस्ता पर जलाशय बनाने के चीनी प्रस्ताव से जुड़ी ''भू-राजनीति'' पर गौर करेगा। क्वात्रा ने दिन में पहले प्रधानमंत्री हसीना से भी मुलाकात की थी, लेकिन इस बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया।

वंदे भारत ट्रेन: देश के लिए एक आशाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करना है लक्ष्य

⇨ 31 मार्च, 2024 तक 2 करोड़ 15 लाख से अधिक लोग वंदे भारत ट्रेनों में कर चुके हैं यात्रा

जगमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे छोटी दूरी, लंबी दूरी, आरक्षित, अनारक्षित आदि का संचालन करके आबादी के सभी वर्गों को किफायती परिवहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में, देश भर में वंदे भारत ट्रेनों की 102 सेवाएं संचालित की जाती हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस लोकप्रिय ट्रेन के रूप में उभरी है। वंदे भारत ट्रेनों की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 31 मार्च, 2024 तक 2 करोड़ 15 लाख से अधिक लोग इससे यात्रा कर चुके हैं। 07 मई 2024 को वंदे भारत ट्रेनों की ऑक्यूपेंसी 98त्न थी। वित्त वर्ष 2024-25 में 7 मई तक औसत ऑक्यूपेंसी 103त्न होने के साथ वंदे भारत ट्रेन सेवाओं को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान वंदे भारत ट्रेनों की कुल ऑक्यूपेंसी 96 प्रतिशत से अधिक रही। वंदे भारत एक्सप्रेस लोगों को हवाई यात्रा जैसा अनुभव प्रदान कर रही है। यही वजह है कि लोग वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा करना पसंद करते हैं। एक तरह से वंदे भारत एक्सप्रेस विकास, आधुनिकता, स्थिरता और आत्मनिर्भरता का पर्याय बन गई है। देश भर के कुल 284 जिले वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा से जुड़ चुके हैं। भविष्य में यह संख्या बढ़ती रहेगी। रेलवे नेटवर्क के 100 रूटों पर कुल 102 वंदे भारत ट्रेनें सेवाएं दे रही हैं। वंदे भारत ट्रेनों ने एक साल में पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने के बराबर दूरी तय की÷ वित्तीय वर्ष 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों द्वारा तय की गई दूरी, यानी अप-डाउन मूवमेंट की मात्रा, पृथ्वी का लगभग 310 चक्कर लगाने के बराबर है। रेल यात्रियों के बीच वंदे भारत की लोकप्रियता को देखते हुए अब वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भी शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए काफी तेजी से काम चल रहा है। वंदे भारत को खास बनाने वाली खूबियां÷ वंदे भारत एक्सप्रेस के सभी कोच में ऑटोमेटिक दरवाजे, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, वाई-फाई सेवा और आरामदायक सीटें लगी हैं। एग्जीक्यूटिव कोच में 180 डिग्री घूमने वाली सीटों की अतिरिक्त सुविधा है। सभी कोच में गर्म खाना और कोल्ड ड्रिंक्स परोसने के लिए पेंट्री की सुविधा दी गई है। इसके अलावा, स्पीड, सुरक्षा और आराम इस ट्रेन की पहचान हैं। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए वंदे भारत ट्रेन में रीजेनरेटिव ब्रेक सिस्टम लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच साउंड प्रूफ हैं।

बलात्कार के झूठे मामले दर्ज कराने के लिए महिलाओं को धोखा दिया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की बहुचर्चित संदेशखालि घटना के संबंध में एक कथित वीडियो में दावा किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी के एक स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे कागज पर हस्ताक्षर कराये और बाद में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बलात्कार एवं यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने में उसका इस्तेमाल किया गया।

नए वीडियो में दावा

इसके बाद प्रदेश में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने संदेशखालि की घटना के बारे में विपक्षी भाजपा पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है । इससे कुछ ही दिन पहले एक अन्य वीडियो क्लिप सामने आयी थी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय पदाधिकारी ने दावा किया था कि इस प्रकरण के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी का हाथ है। हालांकि, पीटीआई-भाषा स्वतंत्र रूप से किसी भी वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सका। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार में मंत्री शशि पांजा ने कहा, ''इससे एक बार फिर से साबित हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी झूठ फैला रही है। हमने चुनाव आयोग से भी शिकायत की है। मनगढ़ंत और डराने-धमकाने के इस घृणित कृत्य को बख्शा नहीं जाएगा।'ताजा वीडियो में से एक में एक महिला को यह कहते हुये सुना जा सकता है, ''सादे कागज पर दस्तखत करा कर हमें धोखा दिया गया है । बाद में हमें पता चला कि हमारे नाम पर बलात्कार की शिकायत दर्ज करायी गयी है। यह बिल्कुल झूठ है।'संदेशखालि की एक अन्य कथित निवासी ने एक अन्य वीडियो में इसी तरह का बयान दिया है। दावा किया गया है कि वह भाजपा नेता पियाली दास की साजिश की शिकार हुई है।

भारत में 1950-2015 के बीच हिंदू आबादी 7.8 प्रतिशत घटी, मुसलमानों की आबादी बढ़ी

⇨ ईएसी-पीएम के हालिया कार्य दस्तावेज में मिली जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है जबकि मुसलमानों की आबादी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे पता चलता है कि देश में विविधता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के हालिया कार्य दस्तावेज में यह बात कही गई है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी÷ एक राष्ट्रव्यापी विश्लेषण (1950-2015) शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की आबादी में जैन समुदाय के लोगों की हिस्सेदारी 1950 में 0.45 प्रतिशत थी जो 2015 में घटकर 0.36 प्रतिशत रह गई। ईएसी-पीएम की सदस्य शमिका रवि के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया कि 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है जो संबंधित अवधि में 84.68 प्रतिशत से घटकर 78.06 प्रतिशत रह गई। इसमें कहा गया कि 1950 में देश में मुसलमानों की आबादी 9.84 प्रतिशत थी और 2015 में बढ़कर यह 14.09 प्रतिशत हो गई जो संबंधित अवधि में 43.15 प्रतिशत बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, 1950 और 2015 के बीच ईसाइयों की आबादी 2.24 प्रतिशत से बढ़कर 2.36 प्रतिशत हो गई और संबंधित अवधि में इसमें 5.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया कि 1950 में सिखों की आबादी 1.24 प्रतिशत थी जो बढ़कर 2015 में 1.85 प्रतिशत हो गई तथा संबंधित अवधि में यह 6.58 प्रतिशत की वृद्धि है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पारसी आबादी में 85 प्रतिशत की भारी कमी आई है। इस समुदाय की आबादी 1950 में कुल जनसंख्या का 0.03 प्रतिशत थी लेकिन 2015 में यह केवल 0.004 प्रतिशत रह गई। इसमें कहा गया कि संबंधित आंकड़ों से संकेत मिलता है कि ÷समाज में विविधता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण है।

इमरान खान ने नौ मई के दंगों पर माफी मांगने से किया इनकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को हुए दंगों के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है। इससे एक दिन पहले सैन्य शासन ने उनकी पार्टी से तब तक बातचीत करने से इनकार कर दिया था जब तक खान इन दंगों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते। डॉन अखबार में प्रकाशित खबर के मुताबिक, बुधवार को 19 करोड़ पाउंड के अल कादिर भ्रष्टाचार मामले में अदालत में पेश होने के बाद इमरान ने मीडियाकर्मियों से कहा कि वह 2014 में अपनी पाकिस्तान तहरीक-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) द्वारा किए गए धरने की जांच का सामना करने के लिए भी तैयार हैं। खबर के अनुसार, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह नौ मई को हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए माफी मांगेंगे तो 71 वर्षीय इमरान ने कोई जवाब नहीं दिया।

न्यूज डायरी

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने दो मई की सीसीटीवी फुटेज आम लोगों को दिखाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस पर राजभवन की एक महिला कर्मचारी की ओर से छेड़छाड़ का आरोप लगाये जाने के बाद राज्यपाल ने बृहस्पतिवार को आम लोगों को परिसर की दो मई की सीसीटीवी फुटेज दिखाई। राजभवन के ग्राउंड फ्लोर पर सेंट्रल मार्बल हॉल में कुछ लोगों को दो मई शाम करीब 5.30 बजे की मुख्य (उत्तरी) गेट पर लगे दो सीसीटीवी कैमरों की फुटेज दिखाई गई। राजभवन की एक संविदा महिला कर्मचारी ने गत शुक्रवार को कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि बोस ने राज्यपाल आवास में उसके साथ छेड़छाड़ की थी। बोस ने बुधवार को कहा था कि वह ''राजनीतिक नेता' ममता बनर्जी और उनकी पुलिस को छोड़कर आम लोगों को संबंधित सीसीटीवी फुटेज दिखाएंगे। एक घंटे से अधिक समय की फुटेज में, नीली जींस और टॉप पहने महिला को बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के साथ पुलिस चौकी की ओर जाते देखा गया जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के सिलसिले में राजभवन परिसर में तैनात थे। मोदी दो मई को राजभवन में रात में ठहरे थे और उन्होंने तीन मई को पश्चिम बंगाल में तीन राजनीतिक रैलियों को संबोधित किया था।

अगले आदेश तक अरावली पहाड़ियों में खनन की कोई अंतिम अनुमति नहीं: न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि अरावली की रक्षा की जानी चाहिए और दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात को अगले आदेश तक पहाड़ी क्षेत्र में खनन गतिविधियों के लिए अंतिम अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि उसके आदेश को किसी भी तरह से वैध खनन गतिविधियों पर रोक लगाने के रूप में नहीं माना जाएगा जो पहले से ही वैध परमिट और लाइसेंस के अनुसार की जा रही हैं। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.एस. ओका की पीठ ने कहा कि हम सभी चार राज्यों (जिनसे होकर पहाड़ी श्रृंखला गुजरती है) के लिए यह आदेश पारित कर रहे हैं। इसने यह स्पष्ट कर दिया कि यह आदेश केवल अरावली पहाड़ियों और इसकी श्रृंखलाओं में खनन तक ही सीमित है।पीठ ने कहा, अगले आदेश तक, हालांकि वे सभी राज्य जहां अरावली पर्वतश्रृंखला स्थित हैं, खनन पट्टों के अनुदान के लिए आवेदन पर विचार और आगे की प्रक्रिया तथा उनके नवीनीकरण के लिए स्वतंत्र होंगे... लेकिन एफएसआई (भारतीय वन सर्वेक्षण) रिपोर्ट में जैसा परिभाषित है उसके अनुसार, अरावली पहाड़ियों में खनन के लिए कोई अंतिम अनुमति नहीं दी जाएगी।

नीट में नकल के लिए शिक्षक और दो अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, सात लाख

गोधरा। गुजरात के पंचमहल जिले के गोधरा में एक स्कूल के शिक्षक और दो अन्य लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक में शामिल हुए छह अभ्यर्थियों की मदद का प्रयास करने में उनकी कथित संलिप्तता के लिए मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने प्रत्येक अभ्यर्थी से 10-10 लाख रुपये लेकर उनके प्रश्नपत्र को हल करने का वादा किया था। प्राथमिकी में बताया गया है कि चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए रविवार को नीट-स्नातक का आयोजन गोधरा के एक स्कूल में किया गया था, जिसमें कुछ लोगों के नकल कराने में शामिल होने की गुप्त सूचना जिलाधिकारी को मिली थी। पुलिस ने बताया कि परीक्षा केंद्र के उपाधीक्षक और भौतिक विज्ञान के शिक्षक तुषार भट्ट तथा परशुराम रॉय एवं आरिफ वोरा नाम के दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में आतंकी हमले में सात मजदूरों की मौत

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान क्षेत्र में स्थित बंदरगाह शहर ग्वादर में बृहस्पतिवार को हुए एक आतंकी हमले में कम से कम सात मजदूरों की मौत हो गई। पाकिस्तानी चैनल जियो न्यूज ने ग्वादर पुलिस थाने के थाना प्रभारी (एसएचओ) मोहसिन अली का हवाला देते हुए बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने सुरबंदर इलाके में ग्वादर फिश हार्बर के पास एक इमारत पर गोलीबारी की, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस हमले में मारे गए और घायल व्यक्ति इलाके में बाल काटने की दुकान में काम करते थे। वे पंजाब के खानेवाल के रहने वाले थे।

पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर भाजपा ने विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को यहां अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया और सैम पित्रोदा की विवादास्पद टिप्पणी पर राहुल गांधी सहित पार्टी के नेताओं से माफी की मांग की। विरोध प्रदर्शन में भारतीय जनता पाटी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विविधता भारत की सबसे बड़ी ताकत है और यह एकता की सामूहिक भावना से बंधी हुई है। सचदेवा ने कहा कि लेकिन कांग्रेस नेता का जातिवादी बयान हमारी एकता और अखंडता पर कुठाराघात करता है। पित्रोदा का यह बयान अनायास नहीं है। लोकसभा चुनाव के तीन चरणों के बाद अपने पैरों के नीचे से जमीन खिसकती देख कांग्रेस नेता अब जातिवादी टिप्पणियों का सहारा ले रहे हैं।

बिना जनगणना कराये केंद्र ने कैसे तैयार की हिंदू-मुस्लिम जनसंख्या रिपोर्ट: तेजस्वी

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की रिपोर्ट पर संदेह जताते हुए बृहस्पतिवार को पूछा कि बिना जनगणना कराए केंद्र ने कैसे हिंदू-मुस्लिम जनसंख्या रिपोर्ट तैयार कर ली। ईएसी-पीएम की रिपोर्ट में मुस्लिम आबादी में वृद्धि, जबकि हिंदू आबादी प्रतिशत में गिरावट का दावा किया गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान देश के ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लिम के बीच दरार पैदा कर रही है। उन्होंने पूछा, ''आप जनगणना कराए बिना ही आंकड़ों पर (कैसे) पहुंच गए? क्या 2021 में जनगणना नहीं होनी थी? आप देश के प्रधानमंत्री हैं...कृपया हिंदू-मुस्लिम की भावना त्यागें और मुद्दों पर बात करें।'राजद नेता ने यह टिप्पणी उस वक्त की जब पत्रकारों ने ईएसी-पीएम रिपोर्ट पर उनसे सवाल पूछे। ''धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी÷ देशव्यापी विश्लेषण (1950-2015)'' शीर्षक से जारी ईएसी-पीएम की रिपोर्ट में कहा गया है कि 1950 और 2015 के बीच देश की आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 84.68 प्रतिशत से 7.82 प्रतिशत घटकर 78.06 प्रतिशत रह गयी।

रूस ने अमेरिका पर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का लगाया आरोप

⇨ भारत में वांछित पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की है दोहरी नागरिकता

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने अमेरिका पर भारत के घरेलू मामलों और मौजूदा चुनावों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अमेरिका ने उसके देश में एक खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या की साजिश में भारतीय नागरिकों की संलिप्तता होने का कोई ठोस सबूत अभी तक मुहैया नहीं कराया है। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर काम करने का पिछले साल नवंबर में आरोप लगाया था। आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। उसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया था। 'वाशिंगटन पोस्ट' ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत रूस और सऊदी अरब जैसी नीतियों को अपनाने की कोशिश कर रहा है। इस बारे में प्रतिक्रिया मांगे जाने पर रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, ''हमारे पास जो जानकारी है उसके मुताबिक वाशिंगटन ने अभी तक जी एस पन्नू की हत्या की साजिश में भारतीय नागरिकों की संलिप्तता का कोई विश्वसनीय सबूत नहीं दिया है। साक्ष्यों के अभाव में इस विषय पर अटकलें लगाना अस्वीकार्य है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका को भारत की राष्ट्रीय सोच एवं इतिहास की समझ नहीं है और वह भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में ''निराधार आरोप'' लगाता रहता है। जखारोवा ने कहा, ''अमेरिका नयी दिल्ली के खिलाफ नियमित रूप से निराधार आरोप लगाता रहता है... हम देखते हैं कि वे न केवल भारत बल्कि कई अन्य देशों पर भी धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने के आधारहीन आरोप लगाते हैं जो दर्शाता है कि अमेरिका भारत की राष्ट्रीय सोच को नहीं समझता, उसे भारत के विकास के ऐतिहासिक संदर्भ की समझ नहीं है।

'त्वचा के रंग' को लाकर प्रधानमंत्री ने 'घोर नस्लीय' रुख अपनाया: चिदंबरम

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी विमर्श में 'त्वचा के रंग' का मुद्दा लाकर 'घोर नस्लीय' रुख अपनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष द्वारा यशवंत सिन्हा की उम्मीदवारी का समर्थन उनकी त्वचा के रंग के आधार पर नहीं किया गया था।

राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों ने द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया था, वहीं कांग्रेस समेत 17 विपक्षी दलों ने यशवंत सिन्हा का समर्थन किया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने कहा, ''एक उम्मीदवार का समर्थन त्वचा के रंग के आधार पर नहीं था। दूसरे उम्मीदवार का विरोध त्वचा के रंग के आधार पर नहीं था। समर्थन या विरोध राजनीतिक फैसला था और हर निर्वाचक मतदाता अपनी पार्टी के फैसले का स्वागत करता है या करती है।' उन्होंने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री चुनावी बहस में त्वचा के रंग को क्यों ले आए हैं?'कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''प्रधानमंत्री के बयान पूरी तरह अप्रासंगिक और घोर नस्लीय हैं।'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की 'त्वचा के रंग' वाली कथित टिप्पणी को लेकर विपक्षी दल पर हमला बोला और कहा कि देशवासी त्वचा के रंग को लेकर अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कार्यक्रम पतंजलि योगपीठ में गर्भ संस्कार संतति सृजनम् विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

माता-पिता और गुरुजन हमारी गति को अधिक गतिवान बनाते हैं: आचार्य बालकृष्ण

⇨ इस कार्यक्रम के माध्यम से गर्भ संस्कार आयुर्वेद जीवन की प्रतिकूलता और भौतिकता के समक्ष एक दिव्य शस्त्र है: स्वामी रामदेव

जगमार्ग न्यूज

हरिद्वार। पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज एवं हॉस्पिटल, पतंजलि अनुसंधान और पतंजलि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में गर्भ संस्कार आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला संतति सृजनम् का आयोजन पतंजलि विश्वविद्यालय के सभागार में हुआ।

कार्यशाला का उद्घाटन परम पूज्य स्वामी रामदेव जी, आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण जी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. (प्रो.) कल्पना शर्मा को उनके आयुर्वेद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' प्रदान किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि भारत भूमि गौरवशाली आदर्श माताओं से सुसमृद्ध है, इनमें जीजाबाई, पुतलीबाई, मदालसा, सीता ऐसी माताएँ रही हैं जिन्होंने सुसंस्कारित सन्तान को आकार दिया, आज भारत भूमि को ऐसी ही संततियों की आवश्यकता है। एक मां विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अथक प्रयासों से सुसंस्कारित नागरिकों का सृजन करती है। कार्यक्रम में पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी ने मातृत्व की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि वेदों और ग्रंथों में सोलह संस्कारों का वर्णन किया गया है जिनमें तीन संस्कार गर्भाधान, पुंसवन और सीमंतोन्नयन जन्म से पूर्व के है, उनका संयोजन भावी शिशु के माता-पिता द्वारा गर्भ की रक्षा-भावना से किया जाता है। यदि एक माँ स्वस्थ है तो ही वह स्वस्थ बालक को जन्म दे सकती है। भावी माता को अपने शिशु को कुपोषण से बचाने के लिए संतुलित भोजन, योग, ध्यान एवं चिंतन-मनन पर ध्यान देना आवश्यक है। पतंजलि जड़ी-बूटी अनुसंधान की प्रमुख डॉ. वेदिप्रया आर्या ने वर्तमान में स्त्रियों में बढ़ रही पीसीओडी (पालीसिस्टिक ओवरी डिसिज) के कारण सामान्य प्रजनन चक्र अवरुद्ध होने पर चिंतन प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. (प्रो.) कल्पना शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को बनाए रखना, बीमारी की रोकथाम और इलाज करना है। आयुर्वेद वह संजीवनी है जो जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से अलौकिक शक्ति प्रदान करती है। पुरुष बीज स्त्री बीज के तथ्यों में यह प्रकृति का सृजनम करते हैं जिससे सभ्यता का निर्माण होता है। आयुर्वेदिक सिद्धांत वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ अपार संभावनाओं पर आधारित बताया। एक व्यापक दृष्टिकोण में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान दोनों का मिश्रण स्वस्थ जीवन की समग्रता में वृद्धि करता है। समारोह को संबोधित करते हुए आयुर्वेद कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल गिरीश केजे ने विभिन्न आयुर्वेदिक कॉलेजों द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन सिंह एवं डॉ. ग्रेसी सोकिया ने किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रिंसिपल, आयुर्वेद कॉलेज, हरिद्वार के डॉक्टर अनिल कुमार ने कहा कि ऐसी व्याख्यानमालाएं जीवन को समग्रता से जीने की नवीन दृष्टि प्रदान करती है। इस अवसर पर पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।